

(c) Scheduled Tribe candidates possessing the necessary qualifications for the post of Sub-Inspectors are not forthcoming in required number. One Scheduled Tribe candidate was selected for appointment but even he did not join. For the post of Sub-Fire Station Officer, no application from any Scheduled Tribe candidate was received. As regards Sainiks, special recruitment confined to Scheduled Castes and Scheduled Tribe candidates has been organised and slight relaxation has also been given so that the shortfall in recruitment may be made up quickly.

Railway Training Schools

2979. Shri Daljit Singh: Will the Minister of Railways be pleased to state the number of Railway training schools in country?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shah Nawaz Khan): 50.

Railway Protection Force

2980. Shri Daljit Singh: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether the quota reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the Railway Protection Force on the Central Railway for the years 1957-58 has been filled up; and

(b) if not, the time by which this quota will be filled up?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shah Nawaz Khan): (a) No.

(b) Every effort is being made to make up the deficiency by end of the current year 1958-59.

दुर्घटना रोकने का यंत्र

२९८१. श्री राम शंकर लाल : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मंत्रालय का ध्यान लुधियाना के श्री पृथ्वीराज द्वारा आविष्कृत उस इंजन की घोर दिलाया गया है जिससे दुर्घटनायें रोकी जा सकती हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस यंत्र की परीक्षा की गयी है; और

(ग) यदि हां, तो उसका क्या फल निकला है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खान) :

(क) रेलवे मंत्रालय का ध्यान एक ऐसे यंत्र की ओर दिलाया गया है जो दुर्घटना रोकने के लिये बनाया गया है। इसका आविष्कार लुधियाना के श्री पृथ्वीराज ने नहीं बल्कि फगवाड़ा के श्री पी० धार० कौशल ने किया है।

(ख) और (ग) श्री पी० धार० कौशल यंत्र का एक नमूना लाये थे और उन्होंने उत्तर रेलवे के सिगनल और दूर-संचार शाखा (Signal and Tele-Communication Branch) के अफसरी के सामने उसका प्रदर्शन किया था। इसमें दो बातों पर विचार करना था। (१) रेल-पथ और इंजन के बीच यांत्रिक सम्पर्क (Contact Mechanism) से चालक-कोष्ठ में रंगीन बत्तियों का जल उठना। ये बत्तियाँ चालक-कोष्ठ में लगी होंगी। (२) इंजन के पुर्जों और रेल पथ के सम्पर्क से ब्रेक का लग जाना। रेल पथ का सम्बन्ध सिगनल से भी रहेगा।

पहला सुझाव मानने के लायक नहीं ममझा गया क्योंकि यंत्र में कोई खराबी होने पर किसी तरह का संकेत नहीं मिलेगा। सिगनल या गाडी नियंत्रण यंत्र की बुनियादी जरूरत इसलिये होती है कि जब उपस्कर में कोई खराबी पैदा हो जाय तो वह बता सके कि सब से ज्यादा खराबी कहाँ है। दूसरे सुझाव का मतलब यह था कि क्रेबिन से ४००० फीट या इससे अधिक दूरी तक छड़ या तार लगाया जाय। यह सुझाव प्रमल में नहीं लाया जा सकता।

कोसी के तटबन्ध

२९८२. श्री ब० प्र० सिंह : क्या सिन्धुई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोसी नदी के दोनों तटबन्धों के बीच की दूरी का अन्तर कितना है; और